

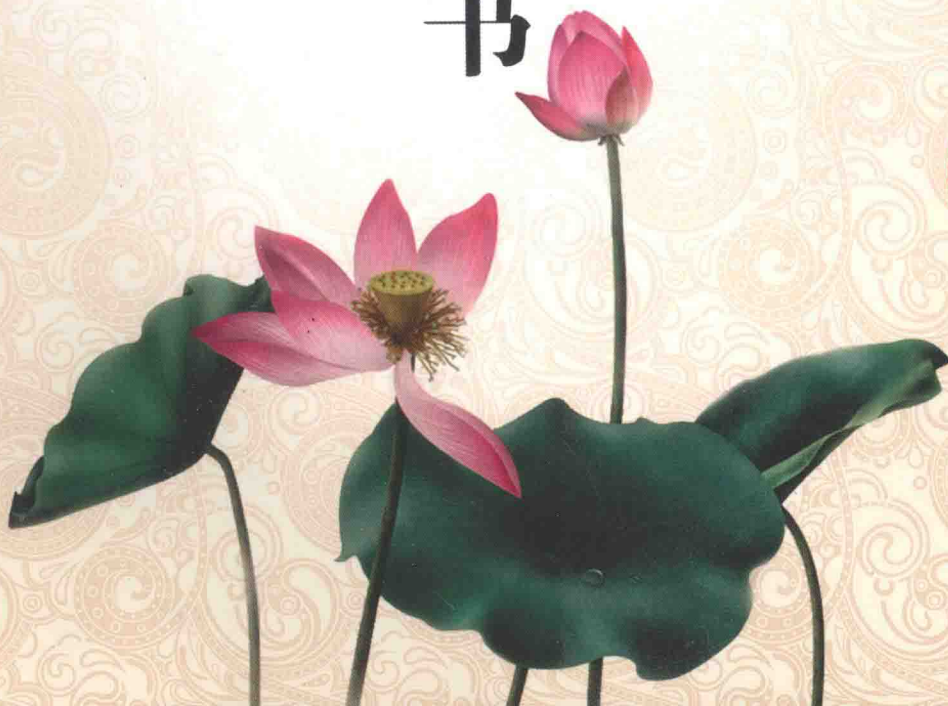
陆氏中医临床实用丛书

# 陆氏中医针灸全书

主编 陆鹏飞 宋月英



中医古籍出版社



陆氏中医临床实用丛书

# 陆氏中医针灸全书

主编 陆鹏飞 宋月英

编委 陆拥玲 陆拥均 陆拥护 陆拥荣  
徐怀成 许先进 戚 慧 马振波  
徐福坤 许 潇 陆一朝 马 珍  
陆一康 许 亮

中医古籍出版社

## 图书在版编目 (CIP) 数据

陆氏中医针灸全书/陆鹏飞, 宋月英主编. - 北京: 中医古籍出版社, 2014. 4  
(陆氏中医临床实用丛书)

ISBN 978-7-5152-0329-4

I. ①陆… II. ①陆…②宋… III. ①针灸疗法 IV. ①R245

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2013) 第 009582 号

## 陆氏中医临床实用丛书

### 陆氏中医针灸全书

主编 陆鹏飞 宋月英

责任编辑 张 磊

封面设计 陈 娟

出版发行 中医古籍出版社

社 址 北京东直门内南小街 16 号 (100700)

印 刷 三河市华东印刷厂

开 本 787mm × 1092mm 1/16

印 张 21.5

字 数 450 千字

版 次 2014 年 4 月第 1 版 2014 年 4 月第 1 次印刷

印 数 0001 ~ 1500 册

ISBN 978-7-5152-0329-4

定 价 48.00 元

## 作者简介

陆鹏飞，出生于1937年。陆氏九代中医世家，自幼酷爱中医。曾发表《不通则痛，不通则病》《针灸治百病妙在手法》《草方治大病关键是对症》《针灸治中风越早越好》《中药炮制，妙在火候》《三分治病，七分调养》等论文八十余篇。

陆氏主张除病痛要着眼于身体整体和生活各个方面，擅调脏腑气血与阴阳表里之机，则疗效更佳；体质不同，病因有异，辩证求因，审因论治，治病当求其本，标本皆治，因而疗效突出，病者早日康复。

陆氏主张除病痛应根据病情，采取多种疗法，如针灸、中药、食疗、足疗、脐疗、浴疗、肛疗、按摩推拿、刮痧、拔罐等，因而疗效显著，治愈率高。

陆氏主张除病痛以预防为主。节生冷、辛辣、酒，忌暴饮暴食，以保胃气。戒郁怒以保肝气。节情欲，谨房事，以保肾气。戒烟毒，防风寒，以保肺气。宁心神、七情以保心气。心情坦荡，无忧无虑，不伤神气。

陆氏主张人人都得学点医，学医能够健身体。中医医学文化是人类的生活文化、健康文化、生命文化，博大精深，为了养生优生，延年益寿，人人都得学。

## 内 容 简 介

本书是编者根据其数十年钻研《灵枢》《资生方》《千金方》《百症赋》《席弘赋》《素问》《针灸甲乙经》《铜人腧穴针灸图经》《腧穴学》《针灸穴位解剖》等 50 余种古今书籍，长期临床使用，用白话文总结归纳而成的一部医学参考书。

本书主要内容是以十四经脉为纲，366 穴及奇穴拾遗若干为目；不但对每个穴位进行比较正确的考证，而且在每个穴位之后还引用了大量临床医案。这些医案是作者本人及陆氏成员长期临床治疗总结得出的治病经验良方。本书在病症诊断、穴位选定、配穴使用、治疗操作手法上都作了详细明确解说，对弘扬中医针灸及研究运用有一定使用价值，是一部比较完整的、实用的针灸诊断、治疗参考书。

## 编者前言

自古以来，人们在防病治病的过程中，通过不断在针灸、中药、食疗、足疗、脐疗、肛疗、浴疗、刮痧、按摩、推拿、牵引、拔罐等的临床运用中，积累了大量宝贵的中医治疗方法。

在中医治病过程中，有的只用针灸即可病除，有的仅用中药便可药到病除。但有的身患多疾，病情复杂，久病久治不愈，体质差，必须采取多元疗法，甚至中西医结合治疗方能康复。

本书重点论述了中医针灸诊治疗法，并附以部分诊治案例。为了确保中医针灸和服用中药的疗效，本书还介绍了有关忌口与食疗知识，以及生活保养知识。

编者取古今中医针灸精华，经过几代人的反复临床实践，和个人五十多年的临床诊疗医案整理写成此书，今奉献给中医针灸爱好者、钻研者，奉献给人类的健康事业。

陆氏中医世家临床诊断医案很多，但由于时代变革损失一大部分，尤其文革浩劫毁烧最多。故有些残缺不齐，虽经反复整理，还不太理想，辜负了祖辈的心愿，深感遗憾。

祖辈待病人如亲人，望、闻、问、切、脉、按、症详细了解病情的虚实寒热、阴阳表里，精益求精治疗病症。主张除病痛，要着眼于人身整体，擅调脏腑气血与阴阳表里之机，则疗效更佳。体质不同，病因有异，辩证求因，审因论治，治病当求其本，标本皆治，因而效疗突出，病者早日康复。

祖辈治病采取多元疗法，如食疗、针灸、中药、刮痧、足疗、脐疗、按摩、推拿、牵引、拔罐等，因而疗效显著，治愈率高。

人活百岁，健康是关键，健康是生存的本钱，是财富的源泉，是幸福快乐的基础。人的健康形成有三个原因：一是遗传基因，二是环境影响，三是生活方面。要想健康，首先从个人做起，学会养生之道，保养方法，生个健康聪明后代。

精气血脉是人体生命活动的物质基础，精气的盛衰直接影响人体生命力的强弱及生命过程的长短，精血充实则生命力旺盛，健康少病或无病；精血不足则生命力弱，体虚多病，早衰短寿。因此养生必先保精血，增强生命力，延长生命活动过程，从而达到养生延年的目的。

三分治病，七分调养，调养滋补很关键。治疗和生活协调配合是治疗疾病早日康复的关键。治病忌口是有医学道理的，是治愈疾病最关键因素。如：肝病禁辛，心病禁咸，脾病禁酸，肺病禁苦，肾病禁甘，水肿病禁盐，腹泻禁重油，风寒湿痰禁油腻厚味，疮疾炎症忌荤腥、辛辣。食物与药物一样有寒、热、温、凉之四气，酸、甘、

辛、苦、咸之五味。所以从本质上讲，食物就是药物，食物同样可以起到治疗作用，也同样有宜用范围和禁忌。食物有寒热补泻的作用，病体亦有虚实、寒热之异。食物之性必须与疾病的属性相适应，否则就应禁忌。如病性虚寒，再食用寒性食物，则会加重病情；如病性大热，再进食热性食品，则无异火上浇油。

食性要与气候时间相适应，用凉远凉，用寒远寒，用温远温，用热远热，食宜同法，假者反之，此其道也。意思是讲用药进食要讲究天时气候，寒冷季节少用寒凉药物，温热季节少用温热药物。饮食忌口亦与之同理。秋季因气候干燥，宜防燥伤阴，要忌用葱、姜、辣椒、胡椒、花椒等温燥之品。因为食物与药物一样具有不同的性味，当一起使用时，亦有相克、相畏、相杀之关系，所以药物与食物、药物与药物、食物与食物之间都存在禁忌。如人参不能与萝卜同吃，因人参味甘微温，为补气强壮之药；萝卜味辛性凉，为下气泄气之品，能耗损正气，故服人参不能吃萝卜，否则抵消药效。又如菠菜不能与鳝鱼同食，因鳝鱼味甘，大温，补中益气，除腹中冷气，菠菜性冷而滑，下气润燥，二者性味功能皆不协调；且鳝鱼多脂，菠菜冷滑，同食会致腹泻。虾忌猪肉，鲫鱼忌猪肝，牛肉忌红糖、栗子，狗肉忌茶，鸡肉忌鲤鱼，豆腐忌菠菜等，都不能搭配食用。因此忌口是必要的，一定要充分认识，科学地运用于治疗和日常生活饮食中，无疑会对健康长寿大有帮助。

病人针灸、服药治疗期间，要选择与药物相宜的食物，忌用与药物有不良作用的饮食，如服用中药时忌油腻、大荤、腥膻、烟酒、辛辣、异味之物。如果是温经暖胃的中药，需要忌生冷、豆类，特别是绿豆。如果是凉血止血方药，应忌羊、牛、狗之肉类。此外还需注意食物与药物互相拮抗的作用。如人参、熟地忌萝卜，麦冬忌木耳，天门冬忌鲤鱼，茯苓忌醋，白术忌桃李、大蒜，甘草、黄连、桔梗、乌梅忌猪肉，薄荷忌蟹肉，补骨脂、何首乌忌诸血，等等。针灸后忌潮湿、沾水。

中医医学文化是人类生活文化，是健康文化，是生命文化，确实博大精深，由于著者水平有限，整写时间长，资料多，难免有不当之处，敬请医学界专家学者批评指正，以便修改。

## 目 录

第一章 腧穴形成及治病原理概论	(1)
一、古人针灸治病原理序	(1)
二、今人对针灸治病原理序	(1)
三、腧穴穴位的概念	(2)
四、腧穴理论的产生与发展	(2)
五、腧穴的分类	(2)
六、特定穴概论	(4)
七、配穴方法	(8)
八、经络循行图	(9)
九、十四经穴穴图	(22)
十、十二经脉病候和主治范围及作用部位	(29)
十一、针术的运用的手法和注意事项	(32)
十二、灸术的运用手法和注意事项	(34)
十三、针灸、取穴、折尺度量法简表	(35)
第二章 十四经脉及经外奇穴 定位取穴、主治病症、配穴治疗	(36)
一、手太阴肺经经穴	(36)
1. 云门穴	(36)
2. 中府穴	(36)
3. 天府穴	(36)
4. 侠白穴	(36)
5. 尺泽穴	(37)
6. 孔最穴	(37)
7. 列缺穴	(37)
8. 经渠穴	(38)
9. 太渊穴	(38)
10. 鱼际穴	(39)
11. 少商穴	(39)
3. 少海穴	(40)
4. 灵道穴	(40)
5. 通里穴	(41)
6. 阴郄穴	(41)
7. 神门穴	(41)
8. 少府穴	(42)
9. 少冲穴	(42)
三、手厥阴心包络经穴	(42)
1. 天池穴	(42)
2. 天泉穴	(42)
3. 曲泽穴	(42)
4. 郄门穴	(43)
5. 间使穴	(43)
6. 内关穴	(44)
7. 大陵穴	(44)
二、手少阴心经经穴	(40)
1. 极泉穴	(40)
2. 青灵穴	(40)



8. 劳宫穴 ..... (45)
9. 中冲穴 ..... (45)
- 四、手少阳三焦经经穴 ..... (45)
1. 关冲穴 ..... (45)
2. 液门穴 ..... (45)
3. 中渚穴 ..... (46)
4. 阳池穴 ..... (46)
5. 外关穴 ..... (46)
6. 支沟穴 ..... (47)
7. 会宗穴 ..... (47)
8. 三阳络穴 ..... (47)
9. 四渎穴 ..... (47)
10. 天井穴 ..... (47)
11. 清冷渊穴 ..... (48)
12. 消泅穴 ..... (48)
13. 曲垣穴 ..... (48)
14. 肩外俞穴 ..... (48)
15. 肩中俞穴 ..... (48)
16. 肩井穴 ..... (49)
17. 天髎穴 ..... (49)
18. 天膈穴 ..... (49)
19. 天容穴 ..... (50)
20. 翳风穴 ..... (50)
21. 瘰脉穴 ..... (50)
22. 角孙穴 ..... (50)
23. 耳和髎穴 ..... (50)
24. 耳门穴 ..... (51)
25. 听会穴 ..... (51)
26. 上关穴 ..... (51)
27. 瞳子髎穴 ..... (52)
- 五、手阳明大肠经经穴 ..... (52)
1. 商阳穴 ..... (52)
2. 二间穴 ..... (52)
3. 三间穴 ..... (52)
4. 合谷穴 ..... (53)
5. 阳溪穴 ..... (54)
6. 偏历穴 ..... (54)
7. 温溜穴 ..... (54)
8. 下廉穴 ..... (54)
9. 上廉穴 ..... (55)
10. 手三里穴 ..... (55)
11. 曲池穴 ..... (55)
12. 肘髎穴 ..... (56)
13. 手五里穴 ..... (56)
14. 臂臑穴 ..... (56)
15. 臑会穴 ..... (56)
16. 肩髃穴 ..... (56)
17. 肩髃穴 ..... (57)
18. 巨骨穴 ..... (57)
19. 天鼎穴 ..... (57)
20. 扶突穴 ..... (58)
21. 兑端穴 ..... (58)
22. 禾髎穴 ..... (58)
- 六、手太阳小肠经经穴 ..... (58)
1. 少泽穴 ..... (58)
2. 前谷穴 ..... (59)
3. 后溪穴 ..... (59)
4. 腕骨穴 ..... (59)
5. 阳谷穴 ..... (59)
6. 养老穴 ..... (60)
7. 支正穴 ..... (60)
8. 小海穴 ..... (60)
9. 肩贞穴 ..... (61)
10. 臑俞穴 ..... (61)
11. 天宗穴 ..... (61)
12. 秉风穴 ..... (61)
13. 天窗穴 ..... (61)
14. 颧髎穴 ..... (61)
15. 听宫穴 ..... (62)
- 七、足太阳膀胱经经穴 ..... (62)
1. 睛明穴 ..... (62)
2. 攒竹穴 ..... (63)
3. 眉冲穴 ..... (63)
4. 曲差穴 ..... (63)
5. 五处穴 ..... (63)
6. 承光穴 ..... (64)

- |          |      |          |      |
|----------|------|----------|------|
| 7. 通天穴   | (64) | 46. 育门穴  | (75) |
| 8. 络却穴   | (64) | 47. 志室穴  | (75) |
| 9. 玉枕穴   | (64) | 48. 胞育穴  | (75) |
| 10. 天柱穴  | (64) | 49. 秩边穴  | (76) |
| 11. 大杼穴  | (65) | 50. 承扶穴  | (76) |
| 12. 风门穴  | (65) | 51. 殷门穴  | (76) |
| 13. 肺俞穴  | (66) | 52. 浮郄穴  | (76) |
| 14. 厥阴俞穴 | (66) | 53. 委阳穴  | (76) |
| 15. 心俞穴  | (66) | 54. 委中穴  | (77) |
| 16. 督俞穴  | (67) | 55. 合阳穴  | (77) |
| 17. 膈俞穴  | (67) | 56. 承筋穴  | (77) |
| 18. 膈俞穴  | (67) | 57. 承山穴  | (78) |
| 19. 肝俞穴  | (68) | 58. 飞扬穴  | (78) |
| 20. 胆俞穴  | (68) | 59. 跗阳穴  | (78) |
| 21. 脾俞穴  | (68) | 60. 昆仑穴  | (78) |
| 22. 胃俞穴  | (69) | 61. 仆参穴  | (79) |
| 23. 三焦俞穴 | (69) | 62. 申脉穴  | (79) |
| 24. 肾俞穴  | (70) | 63. 金门穴  | (79) |
| 25. 气海俞穴 | (70) | 64. 京骨穴  | (79) |
| 26. 大肠俞穴 | (70) | 65. 束骨   | (80) |
| 27. 关元俞穴 | (71) | 66. 足通谷穴 | (80) |
| 28. 小肠俞穴 | (71) | 67. 至阴穴  | (80) |
| 29. 膀胱俞穴 | (71) |          |      |
| 30. 中膂俞穴 | (72) | 八、足阳明胃经穴 | (81) |
| 31. 白环俞穴 | (72) | 1. 迎香穴   | (81) |
| 32. 上髎穴  | (72) | 2. 承泣穴   | (81) |
| 33. 次髎穴  | (72) | 3. 四白穴   | (81) |
| 34. 中髎穴  | (73) | 4. 巨髎穴   | (81) |
| 35. 下髎穴  | (73) | 5. 地仓穴   | (82) |
| 36. 附分穴  | (73) | 6. 承浆穴   | (82) |
| 37. 魄户穴  | (73) | 7. 大迎穴   | (82) |
| 38. 膏肓穴  | (73) | 8. 颊车穴   | (82) |
| 39. 神堂穴  | (74) | 9. 下关穴   | (83) |
| 40. 谿谿穴  | (74) | 10. 人迎穴  | (83) |
| 41. 膈关穴  | (74) | 11. 水突穴  | (83) |
| 42. 魂门穴  | (74) | 12. 气舍穴  | (84) |
| 43. 阳纲穴  | (74) | 13. 缺盆穴  | (84) |
| 44. 意舍穴  | (75) | 14. 气户穴  | (84) |
| 45. 胃仓穴  | (75) | 15. 库房穴  | (84) |

- |                |      |               |       |
|----------------|------|---------------|-------|
| 16. 屋翳穴·····   | (85) | 7. 率谷穴·····   | (95)  |
| 17. 膺窗穴·····   | (85) | 8. 天冲穴·····   | (95)  |
| 18. 乳中穴·····   | (85) | 9. 浮白穴·····   | (95)  |
| 19. 乳根穴·····   | (85) | 10. 头窍阴穴····· | (95)  |
| 20. 不容穴·····   | (85) | 11. 完骨穴·····  | (95)  |
| 21. 承满穴·····   | (86) | 12. 颊息穴·····  | (96)  |
| 22. 梁门穴·····   | (86) | 13. 本神穴·····  | (96)  |
| 23. 关门穴·····   | (86) | 14. 阳白穴·····  | (96)  |
| 24. 太乙穴·····   | (86) | 15. 头临泣穴····· | (96)  |
| 25. 滑肉门穴·····  | (86) | 16. 当阳穴·····  | (96)  |
| 26. 天枢穴·····   | (87) | 17. 目窗穴·····  | (97)  |
| 27. 外陵穴·····   | (87) | 18. 正营穴·····  | (97)  |
| 28. 大巨穴·····   | (87) | 19. 承灵穴·····  | (97)  |
| 29. 水道穴·····   | (87) | 20. 脑空穴·····  | (97)  |
| 30. 归来穴·····   | (88) | 21. 风池穴·····  | (97)  |
| 31. 气冲穴·····   | (88) | 22. 渊腋穴·····  | (98)  |
| 32. 髀关穴·····   | (88) | 23. 辄筋穴·····  | (98)  |
| 33. 伏兔穴·····   | (88) | 24. 日月穴·····  | (99)  |
| 34. 阴市穴·····   | (89) | 25. 京门穴·····  | (99)  |
| 35. 梁丘穴·····   | (89) | 26. 带脉穴·····  | (99)  |
| 36. 挟鼻穴·····   | (89) | 27. 五枢穴·····  | (99)  |
| 37. 足三里穴·····  | (89) | 28. 维道穴·····  | (100) |
| 38. 上巨虚穴·····  | (90) | 29. 居髎穴·····  | (100) |
| 39. 条口穴·····   | (90) | 30. 环跳穴·····  | (100) |
| 40. 下巨虚穴·····  | (91) | 31. 风市穴·····  | (101) |
| 41. 丰隆穴·····   | (91) | 32. 中渎穴·····  | (101) |
| 42. 解溪穴·····   | (91) | 33. 膝阳关穴····· | (101) |
| 43. 冲阳穴·····   | (92) | 34. 阳陵泉穴····· | (101) |
| 44. 陷谷穴·····   | (92) | 35. 阳交穴·····  | (102) |
| 45. 内庭穴·····   | (92) | 36. 外丘穴·····  | (102) |
| 46. 厉兑穴·····   | (93) | 37. 光明穴·····  | (102) |
| 九、足少阳胆经经穴····· | (93) | 38. 阳辅穴·····  | (102) |
| 1. 丝竹空穴·····   | (93) | 39. 悬钟穴·····  | (103) |
| 2. 头维穴·····    | (94) | 40. 丘墟穴·····  | (103) |
| 3. 颌厌穴·····    | (94) | 41. 足临泣穴····· | (104) |
| 4. 悬颅穴·····    | (94) | 42. 地五会穴····· | (104) |
| 5. 悬厘穴·····    | (94) | 43. 侠溪穴·····  | (104) |
| 6. 曲鬓穴·····    | (94) | 44. 足窍阴穴····· | (104) |

- 十、足厥阴肝经经穴 ..... (105)
1. 大敦穴 ..... (105)
  2. 行间穴 ..... (105)
  3. 太冲穴 ..... (105)
  4. 中封穴 ..... (106)
  5. 蠡沟穴 ..... (106)
  6. 中都穴 ..... (106)
  7. 膝关穴 ..... (107)
  8. 曲泉穴 ..... (107)
  9. 阴包穴 ..... (107)
  10. 足五里穴 ..... (108)
  11. 阴廉穴 ..... (108)
  12. 急脉穴 ..... (108)
  13. 章门穴 ..... (108)
  14. 期门穴 ..... (108)
- 十一、足太阴脾经经穴 ..... (109)
1. 隐白穴 ..... (109)
  2. 大都穴 ..... (109)
  3. 太白穴 ..... (109)
  4. 公孙穴 ..... (110)
  5. 商丘穴 ..... (110)
  6. 三阴交穴 ..... (110)
  7. 漏谷穴 ..... (112)
  8. 地机穴 ..... (112)
  9. 阴陵泉穴 ..... (112)
  10. 血海穴 ..... (113)
  11. 箕门穴 ..... (113)
  12. 冲门穴 ..... (113)
  13. 府舍穴 ..... (113)
  14. 腹屈穴 ..... (114)
  15. 大横穴 ..... (114)
  16. 腹哀穴 ..... (114)
  17. 食窦穴 ..... (114)
  18. 天溪穴 ..... (114)
  19. 胸乡穴 ..... (115)
  20. 周荣穴 ..... (115)
  21. 大包穴 ..... (115)
- 十二、足少阴肾经经穴 ..... (115)
1. 涌泉穴 ..... (115)
  2. 然谷穴 ..... (116)
  3. 照海穴 ..... (116)
  4. 水泉穴 ..... (117)
  5. 大钟穴 ..... (117)
  6. 太溪穴 ..... (117)
  7. 复溜穴 ..... (118)
  8. 交信穴 ..... (119)
  9. 筑宾穴 ..... (119)
  10. 阴谷穴 ..... (119)
  11. 横骨穴 ..... (120)
  12. 大赫穴 ..... (120)
  13. 气穴 ..... (120)
  14. 四满穴 ..... (120)
  15. 中注穴 ..... (120)
  16. 肓俞穴 ..... (121)
  17. 商曲穴 ..... (121)
  18. 石关穴 ..... (121)
  19. 阴都穴 ..... (121)
  20. 腹通谷穴 ..... (121)
  21. 幽门穴 ..... (122)
  22. 步廊穴 ..... (122)
  23. 神封穴 ..... (122)
  24. 灵墟穴 ..... (122)
  25. 神藏穴 ..... (123)
  26. 彘中穴 ..... (123)
  27. 俞府穴 ..... (123)
  28. 廉泉穴 ..... (123)
- 十三、任脉经穴 ..... (124)
1. 曲骨穴 ..... (124)
  2. 中极穴 ..... (124)
  3. 关元穴 ..... (124)
  4. 石门穴 ..... (125)
  5. 气海穴 ..... (125)
  6. 阴交穴 ..... (126)
  7. 神阙穴 ..... (126)
  8. 水分穴 ..... (127)
  9. 下脘穴 ..... (127)

- |                |       |                  |       |
|----------------|-------|------------------|-------|
| 10. 建里穴 .....  | (127) | 23. 百会穴 .....    | (138) |
| 11. 中腕穴 .....  | (127) | 24. 前顶穴 .....    | (139) |
| 12. 上腕穴 .....  | (128) | 25. 囟会穴 .....    | (139) |
| 13. 巨阙穴 .....  | (128) | 26. 上星穴 .....    | (139) |
| 14. 鸠尾穴 .....  | (129) | 27. 神庭穴 .....    | (140) |
| 15. 中庭穴 .....  | (129) | 28. 素髎穴 .....    | (140) |
| 16. 膻中穴 .....  | (130) | 29. 水沟穴 .....    | (140) |
| 17. 玉堂穴 .....  | (130) |                  |       |
| 18. 紫宫穴 .....  | (130) | 十五、经外奇穴 .....    | (141) |
| 19. 华盖穴 .....  | (130) | (一) 头颈部奇穴 .....  | (141) |
| 20. 璇玑穴 .....  | (131) | 1. 神聪穴 .....     | (141) |
| 21. 天突穴 .....  | (131) | 2. 发际穴 .....     | (141) |
| 22. 下廉泉穴 ..... | (131) | 3. 当阳穴 .....     | (141) |
| 23. 下颐穴 .....  | (132) | 4. 伴星穴 .....     | (142) |
| 24. 赧交穴 .....  | (132) | 5. 印堂穴 .....     | (142) |
|                |       | 6. 鱼腰穴 .....     | (142) |
| 十四、督脉经穴 .....  | (132) | 7. 鱼尾穴 .....     | (142) |
| 1. 泉门 .....    | (132) | 8. 睛中穴 .....     | (142) |
| 2. 会阴穴 .....   | (132) | 9. 太阳穴 .....     | (142) |
| 3. 会阳穴 .....   | (132) | 10. 颞髁穴 .....    | (143) |
| 4. 长强穴 .....   | (133) | 11. 球后穴 .....    | (143) |
| 5. 腰俞穴 .....   | (133) | 12. 鼻交颞中穴 .....  | (143) |
| 6. 腰阳关穴 .....  | (133) | 13. 上迎香穴 .....   | (143) |
| 7. 命门穴 .....   | (133) | 14. 散笑穴 .....    | (143) |
| 8. 悬枢穴 .....   | (134) | 15. 内迎香穴 .....   | (144) |
| 9. 脊中穴 .....   | (134) | 16. 鼻流穴 .....    | (144) |
| 10. 中枢穴 .....  | (134) | 17. 牵正穴 .....    | (144) |
| 11. 筋缩穴 .....  | (134) | 18. 夹承浆穴 .....   | (144) |
| 12. 至阳穴 .....  | (135) | 19. 颊里穴 .....    | (144) |
| 13. 灵台穴 .....  | (135) | 20. 悬命穴 .....    | (144) |
| 14. 神道穴 .....  | (135) | 21. 聚泉穴 .....    | (145) |
| 15. 身柱穴 .....  | (135) | 22. 唇里穴 .....    | (145) |
| 16. 陶道穴 .....  | (135) | 23. 金津、玉液穴 ..... | (145) |
| 17. 大椎穴 .....  | (136) | 24. 海泉穴 .....    | (145) |
| 18. 哑门穴 .....  | (136) | 25. 燕口穴 .....    | (145) |
| 19. 风府穴 .....  | (137) | 26. 地合穴 .....    | (145) |
| 20. 脑户穴 .....  | (137) | 27. 耳尖穴 .....    | (145) |
| 21. 强间穴 .....  | (138) | 28. 翳明穴 .....    | (146) |
| 22. 后顶穴 .....  | (138) | 29. 安眠穴 .....    | (146) |

30. 上廉泉穴 ..... (146)
31. 洪音穴 ..... (146)
- (二) 躯干部奇穴 ..... (146)
1. 肋头穴 ..... (146)
2. 小儿龟胸穴 ..... (147)
3. 乳上穴 ..... (147)
4. 胸膛穴 ..... (147)
5. 龙颌穴 ..... (147)
6. 胃上穴 ..... (147)
7. 脐上脐下穴 ..... (147)
8. 长谷穴 ..... (147)
9. 脐中四边穴 ..... (148)
10. 三角灸穴 ..... (148)
11. 经中穴 ..... (148)
12. 绝孕穴 ..... (148)
13. 利尿穴 ..... (148)
14. 气门穴 ..... (148)
15. 提托穴 ..... (149)
16. 子宫穴 ..... (149)
17. 羊矢穴 ..... (149)
- (三) 项背腰部奇穴 ..... (149)
1. 新设穴 ..... (149)
2. 颈臂穴 ..... (149)
3. 百劳穴 ..... (149)
4. 崇骨穴 ..... (150)
5. 血压点穴 ..... (150)
6. 定喘穴 ..... (150)
7. 臣觉穴 ..... (150)
8. 巨阙俞穴 ..... (150)
9. 胃管下俞穴 ..... (151)
10. 浊浴穴 ..... (151)
11. 灸哮穴 ..... (151)
12. 灸癆穴 ..... (151)
13. 竹杖穴 ..... (151)
14. 接脊穴 ..... (151)
15. 痞根穴 ..... (152)
16. 肘椎穴 ..... (152)
17. 肠风穴 ..... (152)
18. 腰眼穴 ..... (152)
19. 下极俞穴 ..... (152)
20. 十七椎穴 ..... (152)
21. 下腰穴 ..... (153)
22. 淋泉穴 ..... (153)
23. 腰奇穴 ..... (153)
24. 尾穷骨穴 ..... (153)
25. 间上穴 ..... (153)
26. 夹脊穴 ..... (153)
- (四) 上部部位奇穴 ..... (154)
1. 十宣穴 ..... (154)
2. 十王穴 ..... (154)
3. 小指尖穴 ..... (154)
4. 八邪穴 ..... (154)
5. 虎口穴 ..... (154)
6. 大骨空穴 ..... (154)
7. 大指甲根穴 ..... (155)
8. 凤眼穴 ..... (155)
9. 中魁穴 ..... (155)
10. 小骨空穴 ..... (155)
11. 五虎穴 ..... (155)
12. 拳尖穴 ..... (155)
13. 威灵、精灵穴 ..... (155)
14. 外劳宫穴 ..... (156)
15. 中泉穴 ..... (156)
16. 四缝穴 ..... (156)
17. 手踝穴 ..... (156)
18. 龙玄穴 ..... (156)
19. 二白穴 ..... (156)
20. 臂间穴 ..... (157)
21. 手逆注穴 ..... (157)
22. 泽前穴 ..... (157)
23. 肘尖穴 ..... (157)
24. 夺命穴 ..... (157)
25. 肩前穴 ..... (157)
26. 肩头穴 ..... (157)
27. 后腋穴 ..... (157)
- (五) 下腿部奇穴 ..... (158)

1. 气端穴·····	(158)	13. 陵后穴·····	(160)
2. 独阴穴·····	(158)	14. 膝眼穴·····	(160)
3. 足心穴·····	(158)	15. 膝旁穴·····	(160)
4. 八风穴·····	(158)	16. 鹤顶穴·····	(160)
5. 里内庭穴·····	(158)	17. 百虫窝穴·····	(160)
6. 女膝穴·····	(158)	18. 髌骨穴·····	(160)
7. 大脚趾里横纹穴·····	(159)	19. 环中穴·····	(160)
8. 营池穴·····	(159)	20. 臀中穴·····	(160)
9. 内踝尖穴·····	(159)	21. 关仪穴·····	(161)
10. 外踝尖穴·····	(159)	22. 纠内翻穴·····	(161)
11. 阑尾穴·····	(159)	23. 纠外翻穴·····	(161)
12. 胆囊穴·····	(159)	24. 跟平穴·····	(161)
<b>第三章 针灸临床诊断治疗</b> ·····	(162)		
一、温邪疫毒传染疾病·····	(162)		
二、心脏血管疾病·····	(174)		
三、血液系统疾病·····	(181)		
四、呼吸系统疾病·····	(184)		
五、消化系统疾病·····	(188)		
六、泌尿系统疾病·····	(196)		
七、内分泌系统及代谢疾病·····	(198)		
八、结缔组织及变态反应性疾病·····	(202)		
九、物理、化学、生物因素疾病·····	(205)		
十、外科疾病·····	(207)		
十一、泌尿及男性生殖系统疾病·····	(222)		
十二、运动系统疾病·····	(231)		
十三、手术后并发症·····	(236)		
十四、妇科疾病·····	(238)		
十五、儿科疾病·····	(250)		
十六、肿瘤科疾病·····	(253)		
十七、神经精神科疾病·····	(257)		
十八、精神系统疾病·····	(273)		
十九、皮肤科疾病·····	(277)		
二十、耳鼻咽喉科疾病·····	(288)		
二十一、眼科疾病·····	(296)		
<b>附：陆氏针刺手法 100 例</b> ·····	(306)		
<b>结束语</b> ·····	(329)		
<b>陆氏食疗歌</b> ·····	(330)		

# 第一章 腧穴形成及治病原理概论

## 一、古人针灸治病原理序

人身脏腑经络阴阳气血失和，神志反常而疾病起。盖阳郁则热，阴侵则寒，邪盛则实，精夺则虚，血气不流畅滞而痹，痹则为疼痛不舒；其通经调气之法，补虚泻实之道，其妙与受邪之经俞，施以针灸之治疗。经络发源于脏腑，布流肢体，其间正支结散，起伏隐显，巅趾相通，左右交缪，阴阳表里，循环始终；并荣俞合之度，留呼深浅之宜，补泻迎随之法，调气通经之诀；非有先贤孰明理致，昔在皇帝咨岐伯而作《内经》，针灸之道，赖以彰明。历世久远，简编脱缺。自唐时王启玄作著，已散失不全，幸有秦越人之《难经》，皇甫谧之《甲乙》；而奇经俞穴，尚可究详，逮后甄权著《铜人》，孙思邈作《千金》。

## 二、今人针灸治病原理序

针灸是祖国宝贵医学遗产中的一个组成部分。在人类发明用火以及利用石器进行生产和斗争的时候，针灸疗法即为我们祖先所掌握。在我国最古的一册具有总结性的医学理论著作《内经》中，对这一疗法已有了系统的记载。此后历代名医辈出，他们在与疾病作斗争中，又积累和总结了很多关于这一疗法的临床经验和学术理论。针灸不但长期为祖国人民的保健事业服务，而且在唐朝时已传入了日本，明末传入法国，对保障世界人民健康也作了一定的贡献。

根据我国古代文献和近年来全国医务界所报告的临床资料来看，针灸虽然不是万能的治疗方法，但在内科、外科、精神病科、妇科、儿科、眼科、耳鼻喉科和皮肤科等方面都有针灸能治的疾病。针灸治病器械简单，不假药物，仅凭针和灸的作用即能起到治疗作用；因而不论在舟船上，行路之时，娱乐场所，群众集会地点，医务工作者只要随身携带针具和酒精棉球就可以随时随地治病救人。当然，要把这项技术疗法学得精通，是需要较长的学习和钻研过程的；但是学会针灸的一般原理和操作技术去解决一般问题还是比较容易的。因此，针灸又是一项便于推广普及的医疗技术。上述这些特点适应我国广大人民的需要，因而值得学习、研究和推广。

针灸治病的原理为通其经脉，调其气血。人体内有十四经络，包括十二经别和十二经筋，奇经八脉和十五别络。这些经络内联脏腑，外走头面、腹背和四肢，循着一定路径运行气血，把全身上下内外、五官百骸，紧密而有机地联系起来，以维持其正常生理活动，适应自然环境和维持身体健康。如一旦身体受到内外因素的侵袭，则经脉正常循环的路径便受到阻碍，从而气血不和，阴阳失去平衡，发生疾病。这时用针灸治疗，可起到疏通经脉，宣导气血，调和阴阳的作用，使经脉恢复常态，从而就可



以治愈疾病，健康即可恢复。

### 三、腧穴的概念

腧穴又名孔穴、空穴、隧穴、穴位等。腧音输，在古代医籍中与输、俞通用。腧有转输，流注之意；穴当孔隙讲。腧穴是人体脏腑经络之气输注于体表的所在，也是针灸、推拿及其他一些外法施术的部位。人体内部脏腑通过经络与机体各部分紧密联系。当机体发生疾病，脏腑之气则发生变化，这种变化再通过经络到腧穴。根据腧穴所反映疾病的证候，可以诊断某些疾病。认为五脏有疾应在十二原上有所反映，故观察十二原穴变化，可推之五脏疾病。近年来利用腧穴辅助诊断疾病有许多新的发展，如耳廓中耳穴的测定，对原穴导电量的测定，对十二井穴知热感度的测定等，可以在一定程度上反映经络、脏腑、组织、器官的病变，为辅助诊断增添了较多内容。腧穴既是疾病的反映点，也是针灸治病的刺激点。适当刺激腧穴，可以通其经脉，调其气血，使脏腑功能趋于协调。因此腧穴不是独立于体表的孔隙，而是与人体内部组织、器官有一定联系的、互相贯通的特定部位。

### 四、腧穴理论的产生与发展

腧穴经历一个从疾病反应点及治疗的刺激点，到产生腧穴的基本概念，再形成系统理论的漫长治疗过程。腧穴是人们在长期的医疗实践中陆续发现的，其发展过程大致经历了三个阶段。

#### (1) 无定位、定名阶段

最初人们并不知道穴名、穴位，在用砭石割刺痲肿、脓疡的经验基础上逐步发展到哪里有病痛，就在哪里刺痛或放血。后来又进一步懂得了找压痛点，在压痛点刺灸，从而总结出了以痛为腧的取穴规律。这种取穴方法，没有固定的部位，也没有相应的腧穴的名称，而统称为阿是穴。

#### (2) 定位定名阶段

经过长期大量的医疗实践，人们积累了更多的经验，对腧穴的认识也更加深入，开始知道哪些病症，可在哪些部位针灸；哪些腧穴既能治疗这种病，又能治疗其他病症；哪些腧穴既能治疗局部病症，又能治疗远隔部位的病症。这样反复实践认识，因而给腧穴确定了位置并加以命名。

#### (3) 系统分类阶段

随着腧穴研究的不断发展，医者开始认识到腧穴之间是有联系的，不是彼此孤立的，其作用是多方面的，不是单一的，于是便将具有共性的腧穴按照一定的方式加以分类而形成经络。

### 五、腧穴的分类

人体的腧穴一般可分为以下三类：

#### 1. 经穴

凡属于经脉的腧穴称之为经穴。人体的经脉包括十二经脉，奇经八脉及十二经